विद्या भारती संकुल संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

दिसम्बर 2023 मार्गशीर्ष - पौष। विक्रमी सं. 2080

विद्या भारती प्रचार विभाग एवं अभिलेखागार विभाग की संयुक्त अखिल भारतीय बैठक

अखिल भारतीय गणित मेला

अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव

विद्या भारती प्रचार विभाग एवं अभिलेखागार विभाग की संयुक्त अखिल भारतीय बैठक

शिक्षा में स्व का विमर्श लाएं- नरेन्द्र ठाकुर

उज्जैन। विद्या भारती मालवा प्रांत के कार्यालय सम्राट विक्रमादित्य भवन उज्जैन में विद्या भारती प्रचार विभाग और अभिलेखागार की दो दिवसीय अखिल भारतीय संयुक्त अखिल भारतीय बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख श्री नरेन्द्र ठाकुर ने कहा कि विद्या भारती के कार्यकर्ताओं को शिक्षा में स्व का विमर्श लाना है और यदि विपरीत विमर्श स्थापित किया जा रहा है तो अपने कार्यों के माध्यम से उस विमर्श को बदलना है।

श्री नरेन्द्र ठाकुर ने कहा कि शिक्षा में विद्या भारती के योगदान और राष्ट्रीय विचार से संबंधित विमर्श को समाज के बीच ले जाना चाहिए। कोई भी विमर्श कंटेंट की निरंतरता से बनता है, इसलिए मीडिया के विभिन्न मंचों तक अपना कंटेंट नियमित रूप से पहुंचाते रहें। जब सारे माध्यमों में एक साथ विषय पहुंचता है और उस पर चर्चा होती है तो विमर्श बनता है। इसलिए प्रचार विभाग को मीडिया इकोसिस्टम खड़ा करना है। प्रचार विभाग का कार्य किसी व्यक्ति या संस्था का प्रचार करना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विचार का प्रचार करना है। विमर्श के लिए तीन केन्द्रीय विषय तय किए गए हैं। इनमें हिन्दुत्व, भारत और स्व शामिल है। शिक्षा में स्व का विमर्श लाने के लिए पाठ्यक्रमों को माध्यम बनाया जा सकता है। इसमें इतिहास, गणित और भाषा जैसे विषय शामिल हो सकते हैं। अपने विमर्श की दृष्टि से अखिल भारतीय स्तर पर वार्षिक कैलेंडर तैयार कर सकते हैं जिनमें वर्ष के महत्वपूर्ण दिवसों आदि पर विशेष कंटेंट तैयार कर प्रसारित कर सकते हैं। प्रांत स्तर पर प्रांत के महत्वपूर्ण दिवसों, प्रांत के प्रमुख व्यक्तियों, महत्वपूर्ण घटनाक्रमों और तात्कालिक विषयों आदि को लेकर कंटेंट निर्माण किया जा सकता है। कंटेंट निर्माण के बाद इसके प्रभावी प्रसारण के लिए मीडिया से नियमित संपर्क और संवाद स्थापित करना होगा।

श्री नरेन्द्र ठाकुर ने कहा कि विद्या भारती ने विगत 70 वर्षों में शिक्षा में भारतीयता के विचार और विचार परिवार की लंबी यात्रा पूरी की है। इस दौरान मीडिया का स्वरूप भी बदला है। हम अपने को प्रसिद्धि पाने के लिए प्रचारित नहीं करते, बल्कि बंधुत्व और राष्ट्रीय भावना के विचार को आगे बढ़ाने के लिए समाज के बीच जाते हैं। अपने कार्यों का दस्तावेजीकरण करना भी जरूरी है और यह कार्य अभिलेखागार विभाग प्रभावी रूप से कर सकता है। शिक्षा क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों और अनुसंधानों से समाज के हर व्यक्ति को अवगत कराना भी विद्या भारती के प्रचार विभाग का दायित्व है।

भारतीय शिक्षा को स्थापित करना विद्या भारती का लक्ष्यः गोबिन्द महंत

विद्या भारती प्रचार विभाग और अभिलेखागार विभाग की संयुक्त कार्यशाला में अखिल भारतीय संगठन मंत्री माननीय श्री गोबिन्द चंद्र महंत ने कहा कि विद्या भारती का लक्ष्य भारतीय शिक्षा को स्थापित करना है। शिक्षा में भारतीयता और भारतीय सांस्कृतिक परंपरायुक्त शिक्षा जरूरी है। विद्या भारती की शिक्षण पद्धित की अपनी विशिष्टताएं हैं। इन विशिष्टताओं से समाज को अवगत कराना प्रचार विभाग का कार्य है।

श्री गोबिन्द महंत ने कहा कि देश में हर स्थान पर विद्यालय की स्थापना करना संभव नहीं है लेकिन हर मोहल्ला, हर गांव में हम विद्यालय का आदर्श स्थापित कर सकते हैं। यह आदर्श भारतीय संस्कृति और परंपरा होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और नेशनल क्यूरीकुलम फ्रेमवर्क में विद्या भारती के सुझावों को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सिस्टम में लाने के लिए विमर्श स्थापित करना जरूरी है। विद्या भारती के कार्यों का अभिलेखीकरण करना बहुत जरूरी है।

अभिलेखीकरण के साथ ही अभिलेखों का आर्काइव भी बनाना चाहिए, जिससे आवश्यक होने पर सामग्री उपलब्ध कराई जा सके। संघ के शताब्दी वर्ष को दृष्टिगत रखते हुए पांच प्रमुख विषयों पर विशेष जोर देने की अपेक्षा की गई है। इनमें सामाजिक समरसता, पर्यावरण, स्व का भाव, कुटुंब प्रबोधन और नागरिक कर्तव्य शामिल है। विद्या भारती को शिक्षा के संगठन होने के नाते इन विषयों पर अच्छा कंटेंट बनाना चाहिए और उसे प्रकाशित और प्रसारित करना चाहिए।

प्रभावी कार्ययोजना बनाएं प्रचार विभाग के कार्यकर्ताः सुधाकर रेड्डी

विद्या भारती के दक्षिण मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री व प्रचार विभाग के पालक श्री सुधाकर रेड्डी ने बैठक में आए विषयों की समीक्षा प्रस्तुत की और कार्यकर्ताओं को प्रभावी बैठक बनाकर कार्य करने का संदेश दिया। प्रचार विभाग के विगत कार्यों का लेखा-जोखा रखा और आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी। बैठक में विद्या भारती की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. ललित बिहारी, विद्या भारती मालवा प्रांत के संगठन मंत्री श्री अखिलेश मिश्रा और देशभर से 87 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया का एल्गोरिदम समझें और उचित कीवर्ड्स का चयन करेः रवि कुमार

विद्या भारती जोधपुर प्रान्त के संगठन मंत्री व प्रचार विभाग की केंद्रीय टोली के सदस्य श्री रवि कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया के एल्गोरिदम को समझें और यूनीक कंटेंट पोस्ट करें। इसके साथ ही सोशल मीडिया के लिए उचित कीवर्ड्स, हैशटैग का चयन करते हुए सही सूचना, सही समय के नियम का पालन करें।

विद्या भारती प्रचार विभाग की कार्यशाला में श्री रवि कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया का स्वरूप लगातार बदल रहा है और यूजर बेस बढ़ रहा है। ऐसे में विद्या भारती संवाद केन्द्रों पर आफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट हैंडल करने के लिए किसी कार्यकर्ता को नियत किया जाना चाहिए।

बेहतर होगा यदि अलग-अलग सोशल मीडिया अकाउंट्स को हैंडल करने के लिए अलग-अलग व्यक्ति हों। सोशल मीडिया के लिए कंटेंट कई प्रकार का हो सकता है जिनमें टेक्स्ट, फोटो, वीडियो, शार्ट्स, रील्स आदि प्रमुख हैं। अपने-अपने क्षेत्रों में सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स से संपर्क कर उन्हें विद्या भारती से संबंधित सामग्री उपलब्ध कराएं। उपयुक्त समय पर ये सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स इस सामग्री का उपयोग अपने प्लेटफार्म के लिए कंटेंट निर्माण में कर सकते हैं और इस तरह विद्या भारती का विषय समाज के बड़े वर्ग तक पहुंच सकता है। प्रचार विभाग के कार्यकर्ता शिक्षा से संबंधित विभागों आदि के अधिकृत हैंडल्स को फालो करें जिससे उन्हें शिक्षा जगत के अपडेट्स मिलते रहें।

सोशल मीडिया कैलेंडर बनाएं

श्री रवि कुमार ने कहा कि आफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट्स को सफलतापूर्वक चलाने के लिए सोशल मीडिया कैलेंडर बनाएं। केंद्र की ओर से एक कैलेंडर बनाया गया है, लेकिन इसके अतिरिक्त प्रांत स्तर पर भी सोशल मीडिया कैलेंडर बनना चाहिए और तिथि विशेष पर पोस्ट के लिए पहले से तैयारी करें। सोशल मीडिया के लिए कंटेंट स्थानीय भाषाओं में तैयार करें। सोशल मीडिया पर शेयर किए जाने कंटेंट का आर्काइव भी बनाएं जिसका उपयोग भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर किया जा सकता है।

फरवरी तक पूर्ण होगा विद्या भारती की विकास यात्रा का लेखन कार्यः प्रदीप जी

विद्या भारती प्रचार विभाग और अभिलेखागार विभाग की संयुक्त अखिल भारतीय बैठक में अभिलेखागार विभाग के अखिल भारतीय संयोजक श्री प्रदीप ने कहा कि विद्या भारती की विकास यात्रा के लेखन का कार्य आगामी फरवरी मास तक पूर्ण कर लिया जाएगा। अभिलेखागार विभाग की कार्यशाला में आए विषयों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि इस दौरान साक्षात्कार की प्रविधि, अभिलेखागार की आवश्यकता, इतिहास लेखन की प्रविधि आदि पर विशेष चर्चा की गई। इसके साथ ही आगामी कार्ययोजना तैयार की गई है। अभिलेखागार विभाग के कार्यकर्ताओं को इस कार्यशाला से जो दिशा मिली है, हम सभी को उसी के आधार पर कार्य करना है।

मीडिया संपर्क और संवाद पर कान्क्लेव

कार्यशाला में मीडिया से संपर्क और संवाद पर मीडिया कान्क्लेव का आयोजन किया। वरिष्ठ पत्रकार एवं सतत शिक्षा अध्ययनशाला विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के संकाय सदस्य डा. सुशील शर्मा, दैनिक प्रदेश टुडे के ग्रुप एडिटर श्री देवेश कल्याणी और हैदराबाद के स्वतंत्र टीवी समाचार चैनल के कार्यकारी संपादक श्री विश्वनाथन ने प्रश्नों के उत्तर दिए। कान्क्लेव का संयोजन आईआईएमटी विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय मेरठ के पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग के प्रो. (डा.) नरेन्द्र मिश्र ने किया। एक विशेष सत्र में इंदौर से डॉ. सोनाली नरकुंदे ने डॉक्यूमेंटेशन पर विस्तार से चर्चा की।

वीर बाल दिवस

ग्वालियर। वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में विद्याभारती मध्यभारत प्रांत द्वारा प्रांतीय घोष वादन एवं पथ संचलन का आयोजन ग्वालियर में रखा गया। घोष दल वादन प्रतियोगिता वीर बाल दिवस पर तानसेन की नगरी केदारचाम आवासीय विद्यालय ग्वालियर में 25, 26 दिसम्बर 2023 को सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम में घोष वादक छात्रों द्वारा वीर बाल दिवस 2023 और श्रीराम मंदिर की आकृति बनाकर घोष वादन किया गया। 528 छात्रों ने घोष वादन के साथ दर्शको से भरे खचाखच भरे मैदान में विभिन्न आकर्षक आकृतियों का राममंदिर शिखर, वीर बाल दिवस का निर्माण किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्वालियर महानगर के गणमान्य नागरिक और अभिभावक बन्धु, भगिनी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अतिथि गुरू जनंत सिंह गुरूद्वारा वाताबंदी छोर ग्वालियर तथा श्री जयहिन्द भदौरिया पूर्व सैनिक, श्री निखिलेश माहेश्वरी प्रान्तीय संगठन मंत्री के उद्बोधन के पश्चात् नगर के मुख्यमार्गों से घोष पथ संचलन निकाला। जिसमें विभिन्न आकर्षक चलित एवं स्थायी झांकी सबका मन मोह लिया। पथ संचलन का समापन वीरांगना लक्ष्मीबाई की समाधि पर वंशी में राष्ट्रगान धुन पर स्वारांजलि कर हुआ।

वैचारिक लेख

आचार्य विनोबा भावे और उनकी शिक्षक दृष्टि

आचार्य विनोबा भावे एक ऋषितुल्य व्यक्तित्व। केवल चिंतन ही नहीं अपितु चिंतनाधारित कृति ऐसी उनकी प्रगल्भता थी। विनोबाजी मूलतः महाराष्ट्र से थे पर उनका अधिकतम काल गुजरात में बीता। पदयात्रा के कारण उनका भ्रमण संपूर्ण भारतभर में हुआ। भारत भ्रमण की वजह से उनका अनेकानेक विषयों पर प्रभुत्व, हर तरह का ज्ञान और उस गहन अध्ययन के माध्यम से होने वाली कृति विनोबाजी के ज्ञान संदर्भ की विशेषता भी थी। विनोबाजी को श्रीमद्भगवगीता के प्रति विशेष लगाव था साथ ही शिक्षा का भी।

शिक्षा के संदर्भ में विनोबाजी की संकल्पनाएँ अत्यंत प्रगत और वस्तुनिष्ठ भी थी। विनोबाजी कहते है, "शिक्षा से कुछ नया निर्माण नहीं होता बल्कि जो विद्यार्थीयों में विद्यमान हैं उसी की जागृति करना इतना ही कार्य शिक्षा का है। विद्यार्थीयों के अंदर छुपे हुए पूर्णत्व की खोज कर उसके विकसन के लिए मदद करना ही शिक्षक का कर्तव्य होता है इतनी स्पष्ट धारणा उनकी शिक्षक के संदर्भ में थी।

त्वं नो अस्या अमतेरूत क्षुधो अभिशस्तेरव स्पृधि।
त्वं न ऊति तव चित्रया धिया शिक्षा शचिष्ठ गातुवित्।।

उपरोक्त संस्कृत श्लोक का अर्थ है, "हे शचिष्ठ गातुवित्, हे श्रेष्ठ शक्तिशाली मार्ग शोधक, हमारा अज्ञान, हमारी भूख और हमारी व्याधीयाँ दूर करने का रास्ता हमें दिखा। तू हमें उत्तम शिक्षा दे, बुद्धि,रक्षण शक्ति, उत्पादन शक्ति और तरह तरह की शक्ति तू प्रकट कर।" वेद में इस श्लोक का शिक्षा के संदर्भ में महत्वपूर्ण स्थान है उससे अधिक शिक्षक के संदर्भ में है यह कहना अनुचित नहीं होगा। वेदों में शिक्षक को 'गातुवित' कहा गया है जिसका अर्थ है 'मार्ग खोज के निकालनेवाला'। गातु मतलब गमन मार्ग और वित् मतलब खोज के निकालने वाला। शिक्षकों के लिए वेदों में आया हुआ यह एक अर्थपूर्ण शब्द है। मूलतः गुरूकूल परंपरा मानने वाले हिंदू संस्कृति में गुरू का स्थान अनन्य साधारण है। जो ज्ञान देता है वह अपना गुरू होता है यह हमारी प्राचीन पुरातन परंपरा है। अपने पास होने वाले ज्ञान के आधार पर समाज का भला हों यह सोच रखने वाला शिक्षक होता है, इसलिए शिक्षक का समाज में अनन्य साधारण महत्त्व है। शिक्षक पर भरोसा करने वाली ऐसी अपनी प्राचीन पुरातन परंपरा है। एक शिक्षक के नाते समाज बडे विश्वास के साथ शिक्षक की ओर देखता है। प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तक शिक्षक का समाज में महत्त्व अनन्य साधारण है। इसी मुद्दे को लेकर विनोबाजी के शिक्षक संदर्भ में दृष्टि समझ लेने की बेहद आवश्यकता आज निर्माण हुई है।

एक बार महात्मा गांधी जी को किसी ने एक सवाल पूछा

कि आप ऐसा कौन-सा कार्य करते हो? उस समय महात्मा जी ने कहा था कि मैं धागा कातना और बुनना ऐसे दो कार्य करता हूँ। इसी आधार पर विनोबाजी कहते है, "अगर मुझे किसी ने सवाल पूछा तो मैं कहूँगा कि मैं शिक्षक हूँ, पढ़ाने का कार्य करता हूँ। इस बात का स्पष्टीकरण विनोबाजी बडे सटीक तरीके से देते है, "मैनें 13 वर्ष पदयात्रा की। उसमें मैं अविरत चलत रहा और इस पदयात्रा में मैंने अगर कोई कार्य किया तो एक शिक्षक और विद्यार्थी का।" जो शिक्षक होता है वह विद्यार्थी होता है पर जो विद्यार्थी नहीं होता वह शिक्षक कदापि नहीं होता। इतने सरल शब्दों में उन्होंने शिक्षक का श्रेष्ठत्व विदित किया है। विनोबाजी कहते है कि मेरे जीवन में ऐसा एक भी दिन नहीं गया जिस दिन मैनें कुछ अध्ययन नहीं किया हों। यह अध्ययन नये ज्ञान के लिए था या पुराने ज्ञान की पुनरावृत्ति के लिए था। इतनी श्रद्धा विनोबा जी की शिक्षक नामक व्यक्तित्व पर थी।

शिक्षक के लिए आवश्यक तीन गुण

विद्यार्थीयों के माध्यम से समाज निर्माण करने वाले शिक्षक के संदर्भ में विचार करना आवश्यक हुआ तो ऐसा कह सकते हैं कि अनेक गुणों का समुच्चय होने वाला व्यक्तित्व याने अध्यापक। आचार्य विनोबा भावे शिक्षक के संदर्भ में कम से कम तीन गुणों की आवश्यकता प्रतिपादित करते है। ये तीन गुण निम्न स्वरूप के है –

१) शिक्षकों का विद्यार्थीयों के प्रति प्रेम होना चाहिए। वात्सल्य और प्रेम इन दो घटकों पर आधारित जिनका जीवन भरा हुआ होता है वहीं असल में शिक्षक हो सकता है। माता के पास जो वत्सलता और प्यार होता है, वहीं शिक्षक के पास होनी चाहिए ऐसा विनोबाजी कहते है।

२) शिक्षक सदैव अध्ययनशील होना चाहिए। विश्व सतत बदलता रहता है। इस बदलते युग में छात्रों को किस प्रकार के ज्ञान की आवश्यकता है, वह ज्ञान विद्यार्थीयों को देकर अद्ययावत बनाना ही शिक्षक की मूल भूमिका होनी चाहिए।

क्रमशः

इसके लिए शिक्षक स्वयं निरंतर अध्ययनशील रहें ऐसा सुझाव विनोबाजी देते है।

३) अध्यापक को राजनीति से अलिप्त रहना चाहिए। राजनीति में न्याय-अन्याय, अपना-पराया ऐसी भावनाएँ होती है। शिक्षा क्षेत्र मात्र इससे अलग है। शिक्षा के क्षेत्र में सभी अपने ही होते हैं और यही सीख छात्रों को देनी होती है। जिसके कारण अध्यापक को पक्षीय राजनीति से अलिप्त रहना चाहिए ऐसा विनोबा जी का कहना है।

मातृमुखेन शिक्षणम्

आचार्य विनोबा जी ने शिक्षा का क्रम बताया है –
'मातृमान', 'पितृमान', 'आचार्यमान' अर्थात शिक्षा प्रथम माता से, बाद में पिता से और अंततः आचार्य की ओर से देना चाहिए। बच्चों को बचपन की शिक्षा माता से प्राप्त होती है। बचपन में अच्छे संस्कार माता के द्वारा ही किये जा सकते हैं। अन्य कोई इतना कर सकते है कि नहीं यह बताया नहीं जा सकता। इसालिए विनोबाजी स्त्री-शिक्षा पर जोर देते है। स्त्री बच्चों को सीखाती है और बच्चे देश का भविष्य बनाते है इसलिए नारी शिक्षा की जरूरत बहुत ज्यादा है। यह बताते हुए विनोबाजी कहते है कि प्राथमिक शिक्षा की जिम्मेदारी महिलाओं के हाथों में दिया जाना चाहिए इससे और अच्छा विकास होगा। किसी बालक से कैसे वर्तन करना यह स्त्री को बहूत अच्छे से मालुम होता है, इसलिए शिक्षा 'मातृमुखेन' हों ऐसा साधारण पर महत्त्वपूर्ण विचार विनोबाजी ने रखा है। महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण ने 'मातृहस्तेन् भोजनम्' ऐसा वर मांगा था। उसी से संबंधित विनोबाजी ने शिक्षा के संदर्भ में 'मातृमुखेन शिक्षणम्' ऐसा विचार प्रस्तुत किया है। छोटे बच्चों के शिक्षा संदर्भ में विनोबाजी की जागरूकता इससे प्रतित होती है।

शिक्षकों का दायित्व

शिक्षकों के संदर्भा में पतंजली के कुछ मार्गदर्शक योगसूत्र है। अर्थात पतंजली ने शिक्षकों के लिए आचार्य शब्द का प्रयोग किया है। उसमें उन्होंने ईश्वरविषयक विचार रखा है। ईश्वर अपने पूर्व पुरूखों के गुरू है ऐसा पतंजली कहते है। "त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बंधुश्च सखा त्वमेव" ऐसा अपने प्राचीन साहित्य में कहा गया है।

किन्तु यहाँ ईश्वर गुरू है और गुरू के लक्षण क्या तो वह शिष्यों को स्वातंत्र्य देता है। उन्हें अनुभव से सीखने के लिए प्रवृत्त करता है। 'अनुभव से शिक्षा' यह विनोबा जी को अभिप्रेत है। शिक्षक और विद्यार्थी दोनों एक दूसरे के आचरण से सीखते है। अर्थात जो दिया नहीं जाता वह शिक्षण.जो लिया नहीं जाता, जिसका हिसाब रखा जा सकता है अथवा कुछ नोंद की जा सकती है वह शिक्षा नहीं हो सकती। कँलरी का असली हिसाब कागज पे नहीं तो वह शरीर पर ही दिखता है। जो अनुभव लिया, खाया और पचाया गया वही असल में शिक्षा है ऐसा विनोबाजी कहते है।

विनोबाजी के अनुसार शिक्षा की गिनती नहीं की जा सकती। जीवन यही शिक्षण है अतः शिक्षकों ने जीवन के क्षेत्र में ही शिक्षा देनी चाहिए, ऐसा आग्रह विनोबाजी करते है। इसलिए विनोबाजी कुरूक्षेत्र का उदाहरण देते है। भगवान श्रीकृष्ण ने कुरूक्षेत्र में अर्जून को भगवद्गीता बतायी। वैसे देखा जाए तो एकांत में भी यह भगवत् ज्ञान श्रीकृष्ण अर्जून को बता सकते थे परंतु वैसे न करते हुए जीवन की शिक्षा जीवन के क्षेत्र में ही देने के लिए और दी गई शिक्षा के द्वारा प्राप्त ज्ञान का अवबोध हो इसलिए प्रत्यक्ष जीवन के क्षेत्र का चयन भगवान श्रीकृष्ण ने किया है। इसी प्रकार की जीवन शिक्षा ही विनोबाजी को महत्वपूर्ण लगती है।

आज के शिक्षक इस व्यक्तित्त्व के संदर्भ में आचार्य यह शब्द प्रचलित है। आचार्य इस शब्द में 'चर' ऐसा धातु है और आ उपसर्ग है। अर्थात आचार्य इस शब्द का अर्थ आचरण से संदर्भ में है। आचार्य मतलब विनोबाजी के शब्दों में "जो आचरण करता है वह आचार्य"। जो भी पढाऩा है वह आचरण में लाना और औरों से आचरण करवाना ऐसा प्रत्यक्ष बोध जिस व्यक्तित्व से प्राप्त होता है उसे 'आचार्य' कहना चाहिए ऐसा विनोबाजी कहते है। ऐसे ही कर्तृत्ववान आचार्य के माध्यम से कर्तृत्ववान विद्यार्थी निर्माण होंगे और परिणामतः कर्तृत्ववान राष्ट्र का निर्माण बनेगा जो समाज जीवन की आवश्यकता है।

आचार्य विनोबाजी के अनुसार अपनी शिक्षा का मंत्र सच्चिदानंद ऐसा होना चाहिए। सत् इस कर्मयोग के सिवाय जीवन आगे बढ़ नही सकता। चित्त यह ज्ञानयोग जिसके सिवाय जीवन बन नही सकता और आनंद के सिवाय जीवन में कुछ भी रस नहीं रहता। जिस शिक्षा में सत्, चित् और आनंद इन तीनों का योग होता है वहीं सच्ची शिक्षा होती है। यही सच्ची शिक्षा देने वाली कर्तृत्ववान पीढ़ी शिक्षकों के माध्यम से निर्माण हों ऐसी अपेक्षा हम सब इस माध्यम से करेंगे।

-सचिन अरुण जोशी

(लेखक आचार्य विनोबा भावे साहित्य के अभ्यासक है।)

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में शिक्षा कुम्भ

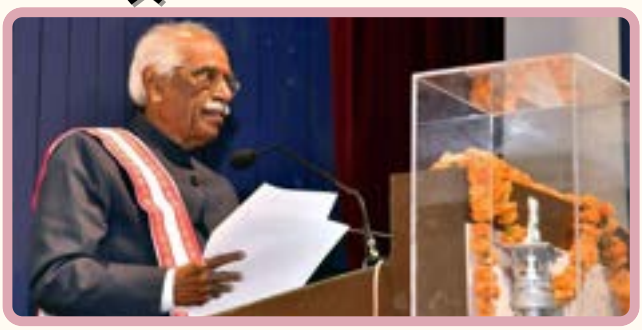

स्टार्ट-अप के लिए गेम चेंजर है राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः राज्यपाल

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा व राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिक्षा कुम्भ में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक ऐतिहासिक सुधार है। यह छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए शिक्षा के समग्र और बहु विषयक दृष्टिकोण की कल्पना करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति कम आयु से ही कौशल विकास, उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित करती है। स्टार्टअप के लिए तो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति गेम चेंजर है। केंद्र सरकार ने 2030 तक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने का निर्णय लिया है लेकिन हरियाणा सरकार ने राज्य में 2025 तक लागू करने का संकल्प लिया है। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि 2014 तक लगभग 800 स्टार्टअप थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब 1 लाख 16 हजार स्टार्टअप बन गए हैं। शिक्षा कुम्भ का महत्वपूर्ण उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है।

श्री राज नेहरू कुलपति विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी ने कहा कि विद्यार्थियों को उद्योगों के साथ जोड़ें और पढ़ाई के साथ स्किल सिखाने का प्रयास करें। डॉ० बी वी रमन्ना रेड्डी निदेशक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र ने ग्रामीण

विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ स्किल भी सिखाएं- कुलपति

भारत को सशक्त बनाने में संस्थागत अनुसंधान और स्टार्टअप संस्कृति पर बल दिया। डॉ० देशराज शर्मा मंत्री विद्या भारती उत्तर क्षेत्र ने कहा कि शिक्षा का मूल विचार सामूहिक चिंतन है। इस दृष्टि से इसका नाम शिक्षा महाकुंभ हो गया। शिक्षा देश और राष्ट्र के अनुरूप बननी चाहिए। विद्या भारती के विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी, आचार्य, प्रबंधन में लगे लोगों समेत दो करोड़ लोग शिक्षा का चिंतन करते हैं। यह शिक्षा महाकुंभ विद्या भारती ने प्रारम्भ किया है। चाहे टेक्नोलॉजी के संस्थान हों, मैनेजमेंट के संस्थान हों, स्कूल की शिक्षा हों, स्वास्थ्य शिक्षा के संस्थान हों, यदि वह एकत्रित बैठकर विचार नहीं कर सकते तो शिक्षा को इस देश की संस्कृति, प्रकृति, प्रगति के अनुसार नहीं चला सकते।

रामकृष्ण मिशन चंडीगढ़ के सचिव स्वामी भीती महाराज ने कहा कि कुरुक्षेत्र एक धर्मनगरी है। यहां पर भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। कुरुक्षेत्र के इस शिक्षा कुम्भ में प्रांत के 150 छात्रों ने भी सहभागिता की।

पाइप बैंड दलों की प्रतियोगिता में रायसेन विद्यालय प्रथम

बैतूल। विद्या भारती के विद्यालयों में सामान्य बैंड के बाद पाइप बैंड के दल भी तैयार हो गये हैं। मुख्य रूप से विद्या भारती के आवासीय विद्यालयों में परेड व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शोभा बढ़ाने वाले पाइप बैंड के दलों की दो दिवसीय प्रतियोगिता भारत भारती आवासीय विद्यालय बैतूल में सम्पन्न हुई। इसमें बैतूल, रायसेन, भोपाल, शिवपुरी और ग्वालियर के बैंड पाइपर्स ने भाग लिया। रानी दुर्गावती कन्या आवासीय विद्यालय रायसेन के बैंड दल ने प्रथम व भारत भारती आवासीय विद्यालय बैतूल के बैंड दल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वादन, कदमताल, संचलन, गणवेश, सांघिकता के आधार पर श्रेष्ठ दल का चयन किया गया। विजेता दलों को मेडल व शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

एनसीएफ (NFC) पर कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद। हैदराबाद के शारदधामम में स्कूली शिक्षा के लिए एनसीएफ पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्य़शाला में प्रो. बसुथकर जग्सदीस्वराओकुलपति हैदराबाद, प्रो.तिरुपति राव, चांसलर मणिपुर सेंट्रल यूनिवर्सिटी, प्रो. बट्टू सत्यनारायण कुलपति कर्नाटक सेंट्रल यूनिवर्सिटी कुलबर्गी और प्रो. सुधाकर राव आरटीडी. ईएफएलयू कार्यक्रम शामिल रहे। यह कार्यक्रम तेलंगाना विद्वत परिषद् द्वारा आयोजित किया गया।

दो दिवसीय अटल टिंकरिंग लैब की कार्यशाला आयोजित

हिमाचल । अनिला महाजन सरस्वती विद्या मंदिर में दो दिवसीय अटल टिंकरिंग लैब की कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला में शिमला व विशाखापटनम से आए प्रशिक्षक विद्यायर्थियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। विद्यायर्थियों को ड्रोन बारे विस्तृत जानकारी दी जा रही है। विग्नन लरनिंग सोल्यूशन कम्पनी के शिमला व विशाखापटनम से आए प्रशिक्षकों द्वारा ड्रोन असम्बल करना और ड्रोन को उड़ाने के गुर सिखाए जा रहे हैं।

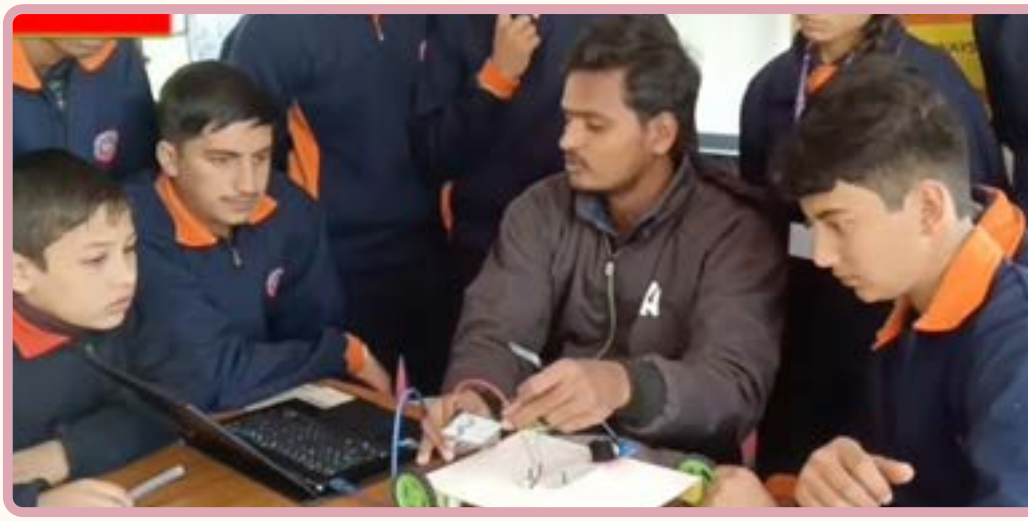

वार्षिक निरीक्षण

विद्यालय और देश के विकास में योगदान दें पूर्व छात्रः गोबिन्द चंद्र महंत

मालवा प्रांत। विद्या भारती मालवा प्रांत की योजनानुसार सरस्वती विद्या मन्दिर विजयनगर का वार्षिक निरीक्षण अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र महंत और मालवा प्रांत के संगठन मंत्री श्री अखिलेश मिश्र ने किया। श्री गोबिन्द चंद्र महंत ने कहा कि मनुष्य के पास बुद्धि होती है और इसी बुद्धि के प्रयोग से वह व्यक्तित्व का विकास कर सकता है, अन्य प्राणियों में ऐसा नहीं होता है। न सिर्फ परीक्षा में सफलता के लिए बल्कि जीवन में सफलता के लिए बुद्धि का विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए।

श्री गोबिन्द महंत ने कहा कि पूर्व छात्र विद्यालय की पूंजी हैं, उन्हें विद्यालय और देश के विकास में योगदान देना चाहिए। विद्यार्थियों से टाइम मैनेजमेंट, गुड हैंडराइटिंग, गुड हेल्थ और एकाग्रता को अपनाने का आह्वान किया। जो विद्यार्थी इन चारों सूत्रों को जीवन में उतार लेता है, वह सफलता प्राप्त कर सकता है।

श्री गोबिन्द महंत पंचपदीय शिक्षा प्रणाली अपनाने पर जोर दिया और कहा कि विद्यार्थी का समग्र विकास होना चाहिए। शिशु वाटिका में चल रही शैक्षणिक गतिविधियों की प्रशंसा की।

प्रधानाचार्य श्रीमती इंदिरा शर्मा ने विद्यालय में चल रही शैक्षणिक गतिविधियों और नवाचार से अवगत कराया।

अखिल भारतीय गणित मेला

गाजियाबाद। स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर साहिबाबाद में 6 से 10 दिसंबर तक अखिल भारतीय गणित मेले का आयोजन किया गया। श्री देवेन्द्र राव देशमुख अखिल भारतीय सह संयोजक वैदिक गणित ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि मा. श्रीराम आरावकर अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री ने बोध कथा के माध्यम से गणित का महत्व बताया। प्रतियोगिता में देशभर से विभिन्न स्तरों पर चयनित 300 विद्यार्थी शामिल हुए। वैदिक प्रश्न मंच में बाल वर्ग में दीपक बेहेरा, धरित्री पत्रा, श्रद्धांजलि परीदा गुजरात से प्रथम स्थान पर रहे। किशोर वर्ग में निशांत जिंदल, प्रियोश सिंगला, तोऐश भीखी से प्रथम स्थान पर रहे। तरुण वर्ग में चंद्रभान, मोहित कुमार, लव वार्ष्णेय बदायूं से प्रथम रहे। गणित प्रदर्श में बाल वर्ग में भूमिका हनुमान नागर से, यशराज मिश्रा कटक उड़ीसा से, याग्यशी पाण्डेय विवेकानंद नगर से प्रथम रहे। किशोर वर्ग में रौनक सिंह टांडा से, स्पंदन सिन्हा रायगंज से, अंदेशा अधिकारी भूली-नगर से प्रथम स्थान पर रहे। तरुण वर्ग में युक्ति पांडे रामबाग से, उत्कर्ष अहूजा हरीनगर से, सूर्यांश पुंडीर नेहरू नगर से प्रथम रहे। गणित प्रयोगात्मक में बाल वर्ग में प्रियांशु कुमार सिवान से, किशोर वर्ग में अमरदीप कुमार राजगीर से एवं तरुण वर्ग में संदीप कुमार आगरा से प्रथम स्थान पर रहे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए उत्तर क्षेत्र को चैंपियनशिप ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। विजेता प्रतिभागियों को शील्ड, सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

पत्रवाचन में बाल वर्ग में ऋषभ देव रुड़की से, किशोर वर्ग में अनुराग सीतामढ़ी से एवं तरुण वर्ग में आकर्ष मिश्रा हरीनगर से प्रथम रहे। आचार्य पत्र-वाचन में रविंद्र नंदलाल गीता मंदिर से प्रथम स्थान पर रहे।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए उत्तर क्षेत्र को चैंपियनशिप ट्रॉफी

कार्यक्रम में श्री यतेंद्र शर्मा सह संगठन मंत्री, श्री डोमेश्वर साहू क्षेत्र संगठन मंत्री, विद्यालय के प्रबंधक श्री वीरेंद्र शर्मा, कार्यक्रम अध्यक्ष श्री दीपक अग्रवाल प्रतिष्ठित समाजसेवी, डॉ. किशनवीर शाक्य राष्ट्रीय मंत्री विद्या भारती, श्री जैन पाल जैन अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष, श्री प्रसन्न कुमार साहू अखिल भारतीय सह संयोजक वैदिक गणित, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम गुप्ता, प्रधानाचार्य श्री जगदीश रघुवंशी आदि उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव

मथुरा। विद्या भारती की ओर से आयोजित अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव का उद्घाटन श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेन्डरी स्कूल मथुरा में किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी अध्यक्ष, विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र, मुख्य अतिथि श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी कैबिनेट मंत्री, उत्तर प्रदेश, मुख्य वक्ता श्री गोबिन्द महन्त अखिल भारतीय संगठन मंत्री, विद्या भारती, क्षेत्र संगठन मंत्री श्री डोमेश्वर साहू आदि उपस्थित रहे।

स्वर्ण जयंती वर्ष पर पूर्व छात्र सम्मेलन

समाज के वंचित लोगों के विकास में योगदान दें पूर्व छात्रः अवनीश भटनागर

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन आवासीय विद्यालय कुरुक्षेत्र विद्यालय परिसर में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्राचार्य श्री नारायण सिंह ने बताया कि विद्यालय इस वर्ष अपनी स्वर्ण जयंती मना रहा है। विद्यालय में 24 राज्यों के विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने सभी से राष्ट्र और समाज के वंचित लोगों के विकास में योगदान देने का आग्रह किया। पूर्व शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। पूर्व विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किये।

हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष और निदेशक डॉ. वीरेंद्र चौहान, इसरो के वैज्ञानिक श्री स्वास्तिक सैनी आदि ने बताया कि कैसे विद्यालय ने उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. ऋषि गोयल वर्तमान में स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन टीचर एजुकेशन झज्जर के निदेशक हैं ने सुझाव दिया कि देश को पहले रखने वाले पूर्व छात्रों की मजबूत नेटवर्किंग की आवश्यकता है। इस अवसर पर पूर्व छात्र 195, परिवार जन 50, पूर्व आचार्य 25 उपस्थित थे।

दो दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन

कुरुक्षेत्र । विद्यालय में दो दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान (कुलपति, श्री कृष्णा आयुष वि.वि., कुरुक्षेत्र) एवं डॉ. ओम प्रकाश अरोड़ा (पूर्व कुलपति, मा.र. वि. वि., हिमाचल प्रदेश) ने दीप प्रज्वलन कर किया। प्राचार्य नारायण सिंह ने अतिथि महानुभावों का परिचय करवाया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि ने पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुस्तकें हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है ये सच्चे पथ प्रदर्शक का काम करती हैं। पुस्तक मेले में 15 से अधिक संस्थाओं एवं प्रकाशकों ने मुख्य रूप से हिन्दी एवं अंग्रेजी उपन्यास, प्रेरक पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, प्रेरक प्रसंग, बाल- शिक्षा, शब्दकोश, प्रतियोगी पुस्तकें, धार्मिक एवं आध्यात्मिक पुस्तकें, वेद, श्रीमद्भवगदगीता, रामायण एवं उपनिषद्, शारीरिक एवं बौद्धिक क्षमता संवर्धन संबंधित पुस्तकें एवं साहित्य इत्यादि विभिन्न विषयों पर अपनी पुस्तकें उपलब्ध कराई। इस अवसर पर छात्रों ने पाण्डुलिपि से ई-बुक तक की यात्रा को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर विशिष्ट अतिथि डॉ. वीरेन्द्र सिंह चौहान (पूर्व उपाध्यक्ष एवं निदेशक, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी) एवं डॉ. संजीव शर्मा (कुलसचिव, कु.वि.वि., कुरुक्षेत्र) उपस्थित रहे।

पुस्तक मेले में विभिन्न स्कूलों के लगभग 2000 छात्र व समाज से 1500 आगन्तुकों ने पुस्तकों का अवलोकन करते हुए मेले का भरपूर आनंद उठाया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति, विद्या भारती हरियाणा एवं अन्य संस्थानों के मुख्य व्यक्तित्व उपस्थित रहे और कार्यक्रम के अन्त में डॉ. संजीव धीमान (पुस्तकालय अध्यक्ष) ने सभी आगन्तुकों का आभार प्रकट किया।

विद्या भारती साहित्य केन्द्र का लोकार्पण

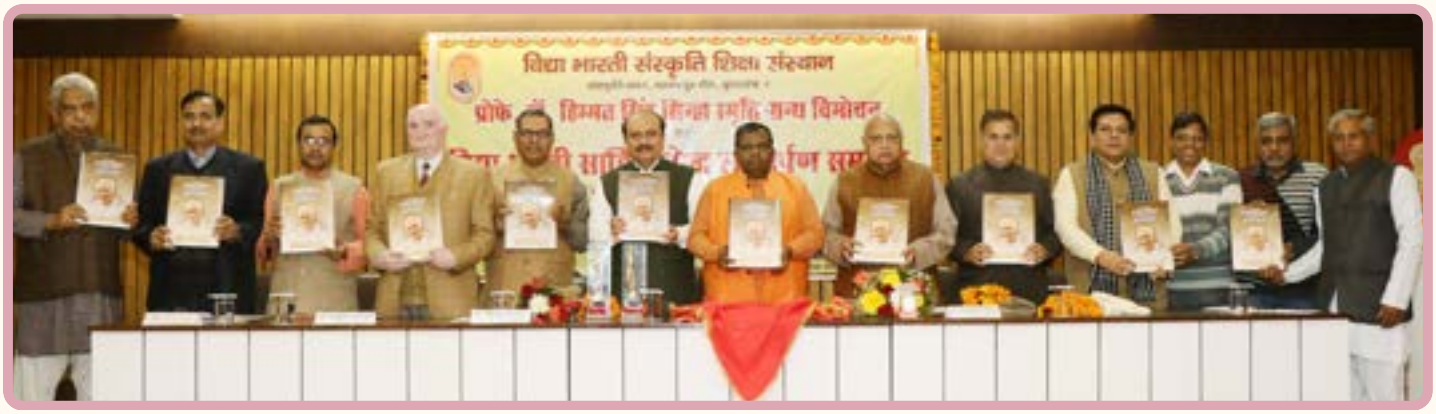

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में समाज गौरव डॉ. हिम्मत सिंह सिन्हा स्मृति ग्रन्थ का विमोचन एवं विद्या भारती साहित्य केन्द्र का लोकार्पण किया गया। विद्या भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चन्द्र महंत ने कहा कि कि प्रो. सिन्हा छोटे-छोटे विषयों को इतनी सुंदरता से समझाते थे कि कठिन से कठिन विषय भी रोचक लगता था। उनके व्याख्यान अत्यंत ज्ञानप्रद होते थे। स्मृति ग्रन्थ के माध्यम से उनके विचारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तकक पहुंचाना अत्यंत लाभप्रद रहेगा। डॉ. सिन्हा साहित्य जगत को आलोकित करते रहेंगे।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि डॉ. सिन्हा समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ आत्मीयता से जुड़े रहे। संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने कहा कि डॉ. हिम्मत सिंह सिन्हा जी के पास अमूल्य विचारों की अथाह सम्पदा थी। संस्कृति भवन में दिए गए उनके अमूल्य व्याख्यान संस्थान के यू-ट्यूब चैनल पर जीवंत हैं। संस्थान में शिक्षा, संस्कृति, बाल साहित्य, इतिहास, विज्ञान, मनोविज्ञान, वैदिक गणित, महापुरुषों के जीवन-चरित्र एवं आत्मकथाएं सरीखे अनेक विषयों पर 334 पुस्तकों एवं 129 चित्रों का संग्रह है।

डॉ. हिम्मत सिंह सिन्हा स्मृति ग्रन्थ का विमोचन

अध्यक्षता विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी ने की। संस्थान के सचिव श्री वासुदेव प्रजापति, विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के महामंत्री श्री देशराज शर्मा, संस्थान के सह-सचिव डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. हिम्मत सिंह सिन्हा स्मृति ग्रन्थ के सम्पादक मंडल के सदस्य डॉ. रामेन्द्र सिंह, डॉ. सी.डी.एस. कौशल, डॉ. जयभगवान सिंगला, डॉ. मोहित गुप्ता, श्री संत कुमार, श्री प्रेमनारायण शुक्ला, डॉ. लालचंद गुप्त 'मंगल', डॉ. ऋषि गोयल, डॉ. हुकम सिंह, डॉ. ऋषिपाल, श्री सुरेन्द्र अत्रि, श्री जयभगवान सिंगला, श्री अनिल कुलश्रेष्ठ, डॉ. सिन्हा की पुत्री मीनाक्षी भारती तथा परिवार के सदस्य आदि उपस्थित रहे।

श्री रविन्द्र कान्हेरे का दक्षिण बिहार में प्रवास

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए अध्ययन-अध्यापन के तरीकों में बदलाव की आवश्यकता : रवीन्द्र कान्हरे

मुंगेर। विद्या भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष श्री रविन्द्र कान्हेरे का दक्षिण बिहार के सरस्वती विद्या मंदिर पुरानीगंज मुंगेर में प्रवास रहा। इस अवसर पर दक्षिण बिहार के 17 जिला केन्द्रों के प्रधानाचार्यों एवं समिति अधिकारियों व सदस्यों की बैठक को संबोधित किया।विद्या भारती का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। इसके लिए कक्षा में अध्ययन-अध्यापन के तरीकों में परिवर्तन करने की आवश्यकता है। सभी के सामूहिक प्रयास से यह कार्य प्रगति पर है। ये बातें सरस्वती विद्या मंदिर पुरानीगंज, मुंगेर में भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति बिहार द्वारा आयोजित जिला केन्द्र के प्रधानाचार्य, समिति सदस्य, विषय प्रमुख व सह प्रमुख की बैठक में उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए विद्या भारती के उपाध्यक्ष श्री रवीन्द्र कान्हेरे ने कही।

बैठक में अखिल भारतीय मंत्री श्री कमल किशोर सिन्हा, क्षेत्रीय संगठन मंत्री बिहार क्षेत्र श्री ख्यालीराम एवं प्रदेश सचिव भारती शिक्षा समिति बिहार एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति बिहार और श्री प्रदीप कुमार कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण विषय की अखिल भारतीय बैठक

बैतूल । विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित पर्यावरण विषय की अखिल भारतीय त्रिदिवसीय बैठक 10-12 दिसंबर 2023 को भारत भारती शिक्षा संस्थान बैतूल मध्य प्रदेश में आयोजित की गई। बैठक में देश भर के 21 प्रान्तों से 30 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर्यावरण गतिविधि के अखिल भारतीय संयोजक श्री गोपाल आर्य, विद्या भारती अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री मा. श्रीराम आरावकर, श्री बालकिशन, अखिल भारतीय पर्यावरण संयोजक श्री देरामाराम बिश्नोई, मध्य क्षेत्र संगठन मंत्री श्री भालचंद्र रावले, प्रान्त सह संगठन मंत्री श्री अनिल अग्रवाल ने अल-अलग सत्रों में पर्यावरण से जुड़े अलग अलग विषयों पर चर्चा की।

यहाँ पर पर्यावरण के लिए किए गए कुछ विशेष प्रयोग जल संरक्षण के लिए बोरी बंधान, जैविक कृषि , आधुनिक गोबर गैस संयंत्र,वीरान पड़ी सोना घाटी की पहाड़ियों पर सघन वृक्षारोपण, स्वच्छ आदर्श गांव बाचा आदि प्रयोग प्रत्यक्ष देखकर अनुभव लिया गया। इस बैठक में सभी प्रान्तों द्वारा किये गए पर्यावरण के विशेष प्रयोग की पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति दी गई। स्थानीय भारत भारती शिक्षा संस्थान द्वारा पर्यावरण की प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसके सबने अवलोकन किया।।

विद्या मंदिरों में मनाया गया भारतीय भाषा दिवस

अखिल भारतीय संगठन मंत्री एवं संगठक वर्ग

विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री एवं संगठक वर्ग (29, 30 नवम्बर एवं 1 दिसम्बर 2023) के अवसर पर विद्या भारती बहुमुखी शैक्षिक प्रकल्प, हाजोंगबाड़ी, गुवाहाटी में पूर्वोत्तर आधारित प्रदर्शनी का लोकार्पण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह माननीय डॉ. कृष्णगोपाल ने किया।

आधारभूत विषय एवं खेल समूह बैठक

दिल्ली। विद्या भारती के 5 आधारभूत विषयों (शारीरिक, खेल, योग, संस्कृत, नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा) एवं खेल समूह की तीन दिवसीय बैठक 12 से 14 दिसम्बर तक महाशय चुन्नीलाल सरस्वती बाल मंदिर, हरिनगर, दिल्ली में सम्पन्न हुई।

इस दौरान विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविन्द चन्द्र महंत ने आधारभूत विषयों का महत्व, विषयों का आपस में समन्वय एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में पाठ्यक्रम पर विचार एवं अन्य विषयों के अध्ययन-अध्यापन में आधारभूत विषयों को कैसे जोडें आदि पर मार्गदर्शन किया। इसके साथ ही ज्ञानार्जन की प्रक्रिया का दार्शनिक चिंतन, इस आधार पर आचार्यों का प्रशिक्षण विषय पर भी मार्गदर्शन किया। पूर्वी उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री श्री हेमचन्द्र ने पंचकोशात्मक विकास की संकल्पना को स्पष्ट किया।

इसके अतिरिक्त संबंधित विषयों की आगामी कार्ययोजना, विषयों का वृत्त संकलन, 2027 तक करणीय कार्य एवं अपने विषय का लक्ष्य, अपने विषय के प्रशिक्षण व पाठ्यक्रम की योजना पर विचार किया गया।

बैठक में श्री दिवाकर घोष पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री व संगीत विषय के प्रभारी, श्री गोविन्द कुमार सह क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजस्थान एवं शारीरिक शिक्षा के प्रभारी आदि उपस्थित रहे। संयोजक श्री दुर्ग सिंह राजपुरोहित ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक में 9 क्षेत्रों के (शारीरिक-11, खेल-11, योग-11, संगीत-43, संस्कृत-8, नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा-8, अधिकारी-3) कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व छात्र परिषद की अखिल भारतीय बैठक,पटना

पटना। पूर्व छात्र परिषद की अखिल भारतीय बैठक 9-10 दिसम्बर 2023 श्री पटना साहिब, बिहार में आयोजित की गई। बैठक में श्री गोबिन्द चंद्र महंत अखिल भारतीय संगठन मंत्री, श्री विजय नड्डा क्षेत्र संगठन मंत्री उत्तर क्षेत्र, श्री पंकज शर्मा अखिल भारतीय संयोजक ने भाग लिया।

श्री गोविन्द महंत ने उद्घाटन मार्गदर्शन में पोर्टल पर पंजीकरण को गति देना, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष-2025 की लक्ष्य दृष्टि - सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध व नागरिक कर्तव्य बोध विषयों पर पूर्व छात्रों को कार्य करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत को परम वैभव पर ले जाना ही पूर्व छात्रों का एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए।

क्रमशः

विद्या भारती का जो लक्ष्य है वो ही पूर्व छात्रों का लक्ष्य है, इसी को आधार मानकर पूर्व छात्र समाज में कार्य करें ऐसी अपेक्षा है।

श्री राहुल सिंघल अखिल भारतीय सह संयोजक ने देशभर का संगठनात्मक वृत्त की जानकरी दी। एलुमनाई पोर्टल पर गत वर्ष कुल पंजीकरण 865000 थे अब 933209 है। पोर्टल पर अधिकतम पंजीकरण के साथ महाकौशल प्रान्त की संख्या 156966 है। विश्व के 70 देशों में पूर्व छात्रों की संख्या 622 है। आचार्यों के कुल पंजीयन 20030 हैं।

श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के समय घर-घर संपर्क का अभियान ,स्वावलंबी भारत में पूर्व छात्रों की भूमिका, NEP क्रियान्वयन की दिशा में पूर्व छात्रों द्वारा प्रयास इन सब कार्यों को पूर्व छात्रों को करना हैं।

बैठक में 10 क्षेत्रों के 24 प्रांतों से 39 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रबंध समिति कार्यकर्ताओं की बैठक

सवाई माधोपुर। सवाई माधोपुर जिला प्रबंध समिति कार्यकर्ताओं की बैठक में माननीय भरतराम जी कुम्हार अध्यक्ष विद्या भारती राजस्थान का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विद्यालय उन्नयन, एनईपी -2020, प्रबंधन के कार्य, बसंत पंचमी पर प्रवेश, समर्पण निधि, केंद्रीय कार्यालय सहयोग, अर्थ सुचिता आदि विषयों पर चर्चा की गई।

मध्यभारत प्रांत टोली बैठक में विविध विषयों पर मंथन

सीहोर। विद्या भारती मध्यभारत प्रांत टोली की दो दिवसीय बैठक उपवन रामनगर बुधनी जिला सीहोर में आयोजित की गई। बैठक में सर्वेक्षण कौशल, छात्रों का रहन-सहन, समरसता के लिए कार्य करना, भेदभाव की समाप्ति के लिए कार्य करना आदि विषयों पर मंथन किया गया। इसके साथ ही सेवा बस्तियों के चयन, भोजन एवं प्रबोधन योजना पर भी विचार-विमर्श किया गया। विद्या भारती की विकास यात्रा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन, विद्यालयों की प्रशासनिक एवं प्रबंधनीय व्यवस्था उत्कृष्ट हो, इस पर चर्चा की गई। इस आवासीय योजना बैठक में सभी विभाग समन्वयक उपस्थित थे। बैठक में क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री भालचंद्र रावले, अध्यक्ष सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान भोपाल श्री मोहनलाल गुप्ता, प्रांत संगठनमंत्री श्री निखिलेश माहेश्वरी भोपाल, प्रादेशिक

सचिव सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान भोपाल श्री शिरोमणि दुबे, प्रादेशिक ग्राम भारती भोपाल से श्री वीरेंद्र सेंगर, सह संगठन मंत्री श्री अनिल अग्रवाल उपस्थित रहे। बैठक की प्रस्तावना श्री राम कुमार भावसार प्रांत प्रमुख ने रखी।

संत बाल योगेश्वर भारतीय विद्या मंदिर का वार्षिकोत्सव, उत्थान-2023 का विमोचन

जम्मू। जम्मू-कश्मीर प्रांत के अंतर्गत संत बाल योगेश्वर भारतीय विद्या मंदिर डडवाड़ा में 18वां वार्षिक उत्सव समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रोशन जग्गी प्रधान वन संरक्षक जम्मू और मुख्य वक्ता श्री सुरेंद्र अत्री उपाध्यक्ष विद्या भारती उत्तर क्षेत्र रहे। संत श्री बालक योगेश्वर दास जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। विद्यालय की पत्रिका उत्थान 2023 का विमोचन किया गया।

बाल संस्कार केंद्रों की खेल प्रतियोगिताएं संपन्न

जालंधर। विद्या धाम में बाल संस्कार केंद्रों की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिताओं में जालंधर जिले में चल रहे 16 संस्कार केंद्रों के 110 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्या भारती पंजाब के संगठन मंत्री श्री राजेंद्र कुमार ने कहा कि आज भी देश में लाखों ऐसे बच्चे हैं जो मलिन बस्तियों या झुग्गी झोपड़ियों में निवास करते हैं। इनके लिए शिक्षा तो दूर की बात है, ये भोजन के लिए भी संघर्ष का रहे हैं। इन सभी को शिक्षा और श्रेष्ठ संस्कार देने की व्यवस्था हमें ही करनी होगी।

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग में (MPPSC 2019) में चयनित 48 पूर्व छात्र

गौरवपूर्ण पल

विद्या भारती की पूर्व छात्रा प्रिया पाठक ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

1

नाम : प्रिया पाठक
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर नागौद, सतना, मध्य प्रदेश
चयनित पद: एस डी एम पद पर सुशोभित

2

नाम : हर्षवर्धन गुप्ता
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर खुजनेर, म.प्र.
चयनित पद: सहायक संचालक जनसम्पर्क विभाग

3

नाम : यशोधा भिलाला
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर डॉ. हेडगेवार कालोनी राजगढ़, म.प्र.
चयनित पद: सहकारिता विस्तार अधिकारी

4

नाम : ऐश्वर्या मुदड़ा
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, तलैया विदिशा, म.प्र.
चयनित पद: सहायक संचालक(स्कूल शिक्षा विभाग)

5

नाम : रामहित सिंह बैस
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, केदारधाम ग्वालियर , म.प्र.
चयनित पद: ट्रेजरी आफिसर

6

नाम : संजय सिंह चौहान
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, पिछोर पथरिया, म.प्र.
चयनित पद: सहायक संचालक उद्योग विभाग

7

नाम : दीप्ति समाधिया
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, भरतगढ़, म.प्र.
चयनित पद: अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी

8

नाम : मानसी शर्मा
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, लहार जिला भिंड, म.प्र.
चयनित पद: सहकारिता विकास अधिकारी

9

नाम : मधु शर्मा
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, जौरा जिला मुरैना, म.प्र.
चयनित पद: सहायक संचालक (स्कूल शिक्षा विभाग)

10

नाम : पूजा नामदेव
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, ब्यावरा, म.प्र.
चयनित पद: वित्त विभाग में लेखा अधिकारी

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग में (MPPSC 2019) में चयनित पूर्व छात्र

गौरवपूर्ण पल

11

नाम : सौरभ जैन
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, बड़ौद, मालवा, म.प्र.
चयनित पदः आबकारी उपनिरीक्षक

12

नाम : शिवा पाठक
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, महाकालपुराम उज्जैन, म.प्र.
चयनित पदः डी एस पी

13

नाम: माधव कुण्डल
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, विजयनगर देवास, मालवा, म.प्र.
चयनित पदः आबकारी उपनिरीक्षक

14

नाम : शुभम् दांगोडे
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, बमनाला खरगोन, म.प्र.
चयनित पदः जिला आबकारी अधिकारी

15

नाम: पंकज कुमार गंगवाल
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, महिदपुर, उज्जैन, म.प्र.
चयनित पदः नायब तहसीलदार

16

नाम : रंजना गोयल
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर तराना जिला उज्जैन, म.प्र.
चयनित पदः मुख्य नगर पालिका अधिकारी

17

नाम : आयुषी खन्ना
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर राजपुर जिला बड़वानी, म.प्र.
चयनित पदः सहायक संचालक उद्योग विभाग ग्रेड 2

18

नाम : तबस्सुम खान
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, हिंडोरिया, म.प्र.
चयनित पदः मुख्य नगर पालिका अधिकारी

19

नाम : आयुषी बैरागी
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, बढ़नगर उज्जैन, म.प्र.
चयनित पदः सहायक संचालक उद्योग प्रबंधक अधिकारी

20

नाम : वांशिका मिश्रा
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर मोतीनगर, म.प्र.
चयनित पदः इनकम टैक्स ऑफिसर

21

नाम : आदित्य मिश्रा
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर बंडा, सागर, म.प्र.
चयनित पदः लेखा सेवा अधिकारी

22

नाम : शुभम अग्निहोत्री
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर पठार, अशोकनगर, म.प्र.
चयनित पदः सहायक संचालक उद्योग विभाग

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग में (MPPSC 2019) में चयनित पूर्व छात्र

गौरवपूर्ण पल

23

नाम : अनिषा जैन
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, गौरझामर , म.प्र.
चयनित पद: डी एस पी

24

नाम : गजेन्द्र सिंह लोधी
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, देवरी, म.प्र.
चयनित पद: नगर पालिका अधिकारी

25

नाम : सत्यम चौरसिया
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, पथरिया, म.प्र.
चयनित पद: सहायक संचालक शिक्षा

26

नाम : रूपाली जैन
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, पथरिया, म.प्र.
चयनित पद: आबकारी उपनिरीक्षक

27

नाम : निशांत चौरसिया
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, केशवनगर, म.प्र.
चयनित पद: नायब तहसीलदार

28

नाम : स्वतंत्र कुमार राय
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, केशवनगर, म.प्र.
चयनित पद: अधीनस्थ लेखा अधिकारी

29

नाम : शिवा सिंह लोधी
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, तेंदूखेड़ा, म.प्र.
चयनित पद: मुख्य नगर पालिका अधिकारी

30

नाम : महेश पटेल
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, केशवनगर, म.प्र.
चयनित पद: नायब तहसीलदार

बिहार लोक सेवा आयोग में (BPSC 2019) में चयनित पूर्व छात्रा

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) की परीक्षा में 371वीं रैंक प्राप्त

नाम : दिव्या मिश्रा
विद्यालय: भारती विद्यालय वरिष्ठ माध्यमिक सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर पुराना, बिहार
चयनित पद: 371वीं रैंक प्राप्त कर नगरपालिका कार्यपालक पदाधिकारी के पद पर चयन

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग में (MPPSC 2019) में चयनित पूर्व छात्र

गौरवपूर्ण पल

क्र.	नाम	विद्यालय	चयनित पद
31	ज्योति पटेल	सरस्वती शिशु मंदिर गूढ, जिला रीवा, म.प्र.	नायब तहसीलदार
32	शनि द्विवेदी	सरस्वती शिशु मंदिर सिरमौर, जिला रीवा,म.प्र.	---
33	हिमांशु पांडे	सरस्वती शिशु मंदिर गूढ, जिला रीवा, म.प्र.	आई ई एस
34	महिमा पाठक	सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयालधा, जिला रीवा, म.प्र	नायब तहसीलदार
35	अंकिता पांडे	सरस्वती शिशु मंदिर जेल मार्ग, जिला रीवा, म.प्र.	---
36	आँचल अग्रवाल	सरस्वती शिशु मंदिर रीवा, जिला रीवा, म.प्र.	नायब तहसीलदार
37	प्रीति जाटव	सरस्वती शिशु मंदिर नागौद, जिला सतना, म.प्र.	सहायक संचालक शिक्षा
38	हेमंत पांडे	सरस्वती शिशु मंदिर नागौद, जिला सतना, म.प्र.	डी एस पी
39	आशीष मिश्रा	सरस्वती शिशु मंदिर नागौद, जिला सतना, म.प्र.	नायब तहसीलदार
40	प्रकाश कुमार	सरस्वती शिशु मंदिर चितरंगी, सिंगरोली, म.प्र.	नायब तहसीलदार
41	अमर दुबे	सरस्वती शिशु मंदिर जेतहरी, अनूपपुर, म.प्र.	सहायक संचालक उद्योग
42	अनुज वरदिया	सरस्वती शिशु मंदिर निवाड़ी, निवाड़ी, म.प्र.	सहकारिता निरीक्षक
43	अमित वरदिया	सरस्वती शिशु मंदिर निवाड़ी, निवाड़ी, म.प्र.	डी एस पी
44	राहुल पटेल	सरस्वती शिशु मंदिर आधारताल, जबलपुर, म.प्र.	डिप्टी कलेक्टर
45	कल्पना मिश्रा	सरस्वती शिशु मंदिर पनागर, जबलपुर, म.प्र.	सहायक अधीक्षक
46	अंकित गजभिजे	सरस्वती शिशु मंदिर बिछुआ, छिंदवाड़ा, म.प्र.	असिस्टन्स डायरेक्टर
47	प्रियंका साहू	सरस्वती शिशु मंदिर वरवाटी, सिवनी, म.प्र.	सब रजिस्टर
48	आलोक मार्को	सरस्वती शिशु मंदिर मोहगाव, मण्डला, म.प्र.	डिप्टी कलेक्टर

विद्या भारती के पूर्व छात्र प्रवेश को गणित में पीएचडी उपाधि

सिक्किम। विद्या भारती सिक्किम पाकिम जिल्ला अन्तर्गत रिनाक खामदोग के पूर्व छात्र प्रवेश शर्मा ने गणित विषय मे विद्यावारिधी (पीएचडी) सफलतापूर्वक की। प्रवेश शर्मा ने गणित विषय में "A STUDY ON ALGEBRAIC STRUCTURES GOVERNED BY GRAPH THEORY" पर पी.एच.डी की उपाधि प्राप्त की है।
विद्या भारती सिक्किम अन्तर्गत सरस्वती विद्या निकेतन,आरिटार मे सन 2004-2005 मे प्रवेश ने पढाई किया है।

SGFI के अंडर-19 कुश्ती में साहिल को रजत पदक

हरियाणा। विद्या भारती हरियाणा के विद्यालय श्री शिव मंदिर सनातन धर्म वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, उचाना कला (जींद) के छात्र साहिल ने SGFI (स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया) के अंडर-19 कुश्ती में रजत पदक प्राप्त किया।

अंडर-14 प्रतियोगिता में कमलेश उरांव को तृतीय स्थान

लोहरदगा। राष्ट्रीय विद्यालय खेल एथलेटिक्स अंडर-14 प्रतियोगिता में कमलेश उरांव ने विद्या भारती झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। शील अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर, लोहरदगा के कमलेश उरांव ने लंबी कूद में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। 67वीं राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 16 से 20 दिसंबर तक लखनऊ के गुरु गोबिन्द सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित की गई, जिसमें देशभर से चयनित 44 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन

जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर,
नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net ।
www.vidyabharatisamvad.com

vbabss@yahoo.com । vbsamvad@gmail .com

91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में ,